गम् - लिट् लकार

गम्लृ गतौ धातु — अनद्यतन परोक्षभूत

जगाम

शेषे प्रथम:	प्रथमपुरुष संज्ञा	
तिप्तस्झि ...	लिट् लकार प्रथमपुरुष एकवचन की विवक्षा में ल के स्थान पर तिप् आदेश बोध कर सूत्र लगा	गम् - तिप्
परस्मैपदानां णल् (392)	'तिप्' को 'णल्' आदेश	गम् + णल्
चुटू, हलन्त्यम्, तस्य	णकार, लकार की इत् संज्ञा, लोप	गम् + अ
लिटि धातोरनभ्यासस्य (395) पूर्वोऽभ्यास:	लिट् परे रहते धातु के प्रथम एकाच् को द्वित्व, अभ्याससंज्ञा	गम् + गम् + अ
लिट् च (400)	लिट् के स्थान पर आदेश हुआ तिङ् आर्धधातुक संज्ञक	
हलादि: शेष: (396)	अभ्यास का आदि 'हल्' शेष, अन्य 'हल्' लुप्त	ग + गम् + अ
कुहोश्चु: (454)	अभ्यास के कवर्ग और हकार के स्थान पर चवर्ग	ज + गम् + अ
अलोऽन्त्यात् पूर्व उपधा (176)	अन्त्य अल् से पूर्व वर्ण उपधा संज्ञक (म का अकार उपधा संज्ञक)	
अत उपधाया: (455)	ञित् या णित् परे रहते उपधा अत् के स्थान पर वृद्धि हो	ज + गाम = जगाम

15 (अतुस्, उस्, अथुस्, ... तथा आत्मनेपद के भी) प्रत्यय कित होंगे। असंयोगा... प्रकृते 452

M T W T F S S

जग्मतुः

Date

शेषे प्रथमः	प्रथमपुरुष संज्ञा	
तिप्तस्झि	लिट् लकार प्रथमपुरुष द्विवचन की विवक्षा में 'ल्' के स्थान पर 'तस्' आदेश, निषेध	गम् + तस्
परस्मैपदानां णल् (392)	तस् को 'अतुस्' आदेश	गम् + अतुस्
गम-हन-जन-खन-घसां लोपः क्ङित्यनङि (508)	अङ् से भिन्न अजादि कित ङित प्रत्यय परे हो तो इन पाँचों की उपधा का लोप	
अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा	अन्त्य वर्ण से पूर्व वर्ण उपधासंज्ञक	
असंयोगाल्लिट् कित (452)	असंयोग से परे अपित् लिट् 'कित्' हो यहाँ अतुस् कित् है अतः 'गम-हन...' सूत्र से उपधा संज्ञक गकारोत्तरवर्ती अकार का लोप, निषेध	
द्विर्वचनेऽचि (475)	द्वित्व के न होने की दशा में 'अच्' के स्थान पर कोई आदेश नहीं हो सकता। इसलिए सर्वप्रथम द्वित्व होगा	
लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + अतुस्
पूर्वोऽभ्यासः	पूर्व गम् की अभ्यास संज्ञा	
लिट् च	लिङ् की आर्धधातुक संज्ञा	
हलादि शेषः	अभ्यास का आदि 'हल्' शेष तथा अन्य हल् का लोप	ग + गम् + अतुस्
कुहोश्चुः (454)	अभ्यास के कवर्ग, हकार के स्थान	

Scanned with CamScanner

	पर-चवर्ग	ज + गम् + अतुस्
गमहनजनखन...	उपधा गकारोत्तरवर्ती अकार का लोप	जग्म् + अतुस् = जग्मतुस्
रुत्वविसर्ग	स् को विसर्ग	जग्मतुः
	जग्मुः	
शेषे प्रथमः	प्रथमपुरुष संज्ञा	
तिप्तस्झि	प्रथमपुरुष बहुवचन – झि आदेश	गम् + झि
परस्मैपदानां...	झि को उस् आदेश	गम् + उस्
लिट् च	झि की आर्धधातुक संज्ञा	
अलोन्त्यात्पूर्व उपधा	उपधा संज्ञा गकारोत्तरवर्ती अकार की	
असंयोगाल्लिट् कित्	गम् की उपधा गकारोत्तरवर्ती अकार का लोप, निषेध	
द्विर्वचनेऽचि	जब तक द्वित्व न हो तब तक 'अच्' के स्थान पर कोई आदेश नहीं होता इसलिए सर्वप्रथम द्वित्व	
लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + उस्
पूर्वोऽभ्यासः	पूर्व गम् की अभ्याससंज्ञा	
हलादि शेषः	आदि हल् शेष, अन्त्य लुप्त	ग + गम् + उस्
कुहोश्चुः	अभ्यास के कवर्ग हकार को चवर्ग	ज + गम् + उस्
गमहनजनखन... रुत्वविसर्ग	उपधा गकारोत्तरवर्ती अकार का लोप - जग्म्उस् = जग्मुः	

जगमिथ, जगन्थ

युष्मद्युपपदे समाना°	मध्यमपुरुष संज्ञा	
तिप्तस्झि ...	मध्यमपुरुष एकवचन - सिप्	गम् + सिप्
लिट् च	सिप् की आर्धधातुक संज्ञा	
परस्मैपदानां ...	सिप् को थल् आदेश	गम् + थल्
हलन्त्यम्, तस्यलोप:	लकार की इत् संज्ञा, लोप	गम् + थ
	गम् धातु मकारान्त अनुदात्त में पढ़ी गयी है अत: (पृ०156)	
एकाच उपदेशेऽनुदात्तात् (475)	उपदेश अवस्था में जो धातु एक अच् वाली तथा अनुदात्त भी हो उस धातु से परे आर्धधातुक को इट् का आगम नहीं होता (इट् का निषेध)	
कृ-सृ-भृ-वृ-स्तु-द्रु-स्रु-श्रुवो लिटि (479)	नित्य इट् का आगम (लिट् में) परन्तु	
उपदेशेऽत्वत: (481)	'थल्' में पुन: निषेध	
ऋतो भारद्वाजस्य (482)	भारद्वाज मत से थल् को इट् का विकल्प	
आद्यन्तौ टकितौ	टित् होने से आद्यवयव	गम् + इट् + थ
हलन्त्यम्, तस्य.	टकार की इत् संज्ञा, लोप	गम् + इ + थ
लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + इ + थ
पूर्वोऽभ्यास:	पूर्व गम् की अभ्यास संज्ञा	
हलादि शेष:	आदि हल् शेष, अन्यलुप्त	ग + गम् + इ + थ
कुहोश्चु: (454)	अभ्यास के कवर्ग, हकार को चवर्ग	ज + गम् + इ + थ = जगमिथ

Scanned with CamScanner

लोपाभाव पक्ष में -

लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + व
पूर्वोऽभ्यासः	पूर्व गम् की अभ्याससंज्ञा	
हलादि शेषः	आदि हल् शेष - अन्य का लोप	ग + गम् + व
कुहोश्चुः (454)	अभ्यास के कवर्ग हकार को चवर्ग	ज + गम् + व
नपदान्तस्य झलि (78)	अपदान्त मकार को अनुस्वार	जगं + व
अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः	यय् परे होने पर अनुस्वार को पर सवर्ग (म् को न् आदेश)	जगन्व

जगमथुः,

युष्मद्युपपदे -	मध्यम पुरुष संज्ञा	
तिप्तस्झि -	मध्यमपुरुष द्विवचन की विवक्षा में 'ल' के स्थान पर 'थस्'	गम् + थस्
लिट् च	थस् की आर्धधातुक संज्ञा	
परस्मैपदानां -	थस् को अथुस् आदेश	गम् + अथुस्
लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + अथुस्
पूर्वोऽभ्यासः	पूर्व गम् की अभ्यास संज्ञा	
हलादि शेषः	पूर्व हल् शेष - अन्य का लोप	ग + गम् + अथुस्
कुहोश्चुः	कवर्ग को चवर्ग (ग को ज)	ज + गम् + अथुस् = जगमथुस्
रुत्वविसर्ग	स् को विसर्ग	जगमथुः

जगम

तिप्तस्...	मध्यमपुरुष बहुवचन 'ल' को थ	गम् + थ
लिट् च	थ की आर्धधातुक संज्ञा	
परस्मैपदानां...	थ को अ आदेश	गम् + अ
लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + अ
पूर्वोऽभ्यासः	अभ्यास संज्ञा (पूर्व गम् की)	
हलादिः शेषः	आदि हल् शेष, अन्त्य का लोप	ग + गम् + अ
कुहोश्चुः	कवर्ग को चवर्ग (ग को ज)	ज + गम् + अ
अलोऽन्त्यात् पूर्व उपधा	उपधा संज्ञा	
गमहनजनखन .	उपधा गकारोत्तरवर्ती अकार का लोप	जग्म् + अ = जग्म

जगाम - जगम (उ॰पु॰ एक॰)

अस्मद्युत्तमः	उत्तमपुरुष संज्ञा	
तिप्तस्झि...	उत्तमपुरुष एकवचन की विवक्षा में 'ल्' के स्थान पर 'मिप्' आदेश	गम् + मिप्
लिट् च	मिप् की आर्धधातुक संज्ञा	
परस्मैपदानां...	'मिप्' के स्थान पर 'णल्' आदेश	गम् + णल्
णलुत्तमो वा (456)	उत्तमपुरुष का 'णल्' विकल्प से 'णित्' हो (अर्थात् - णित् - णकार की इत् संज्ञा विकल्प से हो	
चुटू, हलन्त्यम्	णकार, लकार की इत् संज्ञा, लोप (णित् पक्ष में) ←	गम् + अ
अलोऽन्त्यात् पूर्व उपधा	ग के अकार को उपधा संज्ञा	

लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + अ
पूर्वोऽभ्यासः	पूर्व 'गम्' की अभ्यास संज्ञा	
हलादि शेषः	पूर्व हल् शेष - अन्त्य हल्-लोप	ग + गम् + अ
कुहोश्चुः (454)	कवर्ग को चवर्ग	ज + गम् + अ
अत उपधायाः (455)	उपधाभूत अत् को वृद्धि आकार णित्वाभाव पक्ष में	जगाम = जगम
	जग्मिव (उत्तमपुरुष द्वि)	जग्मिम (उ.पु.ब.)
अस्मद्युत्तमः	उत्तमपुरुष संज्ञा	
तिप्तस्...	उत्तमपुरुष द्वि.व., बहुवचन की विवक्षा में वस्, मस् आदेश	गम् + वस् गम् + मस्
लिट् च	आर्धधातुक संज्ञा	
परस्मैपदानां...	वस् को व, मस् को म आदेश	गम् + व गम् + म
कृ-सृ-भृ-वृ-स्तु	नित्य इट् का आगम	
आद्यन्तौ टकितौ	टित् होने से आद्यवयव	गम् + इट् + व गम् + इट् + म
हलन्त्यम्, तस्य	टकार की इत् संज्ञा, लोप	गम् + इ + व गम् + इ + म
लिटि धातोरनभ्यासस्य	द्वित्व	गम् + गम् + इ + व गम् + गम् + इ + म
पूर्वोऽभ्यासः	अभ्यास संज्ञा	
हलादि शेषः	पूर्व हल् शेष, अन्त्य लोप	ग + गम् + इ + व ग + गम् + इ + म

Scanned with CamScanner

M T W T F S S

Date :

कुहोश्चुः (454) कवर्ग को चवर्ग

अलोऽन्त्यात् पूर्व उपधा (गकारोत्तरवर्ती अकार की उपधा संज्ञा।)

गम-हन-जन-खन

घसां लोपः क्ङिति अनङि (505) - उपधासंज्ञक गकारोत्तरवर्ती अकार का लोप

ज + गम् + इ + व
ज + गम् + इ + म

जग्‌म् + इ + व
जग्‌म् + इ + म

द्विवचन में - = जग्मिव
बहुवचन में = जग्मिम